ओमशान्ति मीडिया

वर्ष - 28 | मार्च -2026 | अंक - 03 | माउंट आबू | Rs.- 20

विश्व शांति दिवस के रूप में मनाई ब्रह्मा बाबा की पुण्य तिथि

माउंट आबू-सज.। ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान के अंतर्राष्ट्रीय मुख्यालय पांडव भवन में संस्थान के संस्थापक प्रजापिता ब्रह्मा बाबा की 57वीं पुण्यतिथि विश्व शांति दिवस के रूप में मनाई गई। इस अवसर पर संयुक्त मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी ब्र.कु. शशिप्रभा दीदी ने कहा कि प्रजापिता ब्रह्मा बाबा ने केवल वचनों से नहीं, बल्कि अपने आचरण से संपूर्ण पवित्रता, योग और निःस्वार्थ सेवा का आदर्श प्रस्तुत किया। उन्होंने कठिन से कठिन परिस्थितियों में भी समर्पण भाव के साथ विश्व शांति और मानव कल्याण के कार्य को निरंतर आगे बढ़ाया। उनकी तपस्या और संकल्पों के कारण आज विश्व के कोने-कोने में लाखों भाई-बहनें विश्व नवनिर्माण के कार्य में जुटे हैं। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जर्मनी सेवाकेन्द्रों की संचालिका संयुक्त मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी ब्र.कु. सुदेश दीदी ने कहा कि ब्रह्मा बाबा की दूरदृष्टि के कारण संगठन की सेवाएं समाज के हर वर्ग तक पहुंच रही हैं। उन्होंने मन में जमे सूक्ष्म विकारों से मुक्त होने के सरल साधन बताए और अनेक आत्माओं को विश्व सेवा के लिए प्रेरित किया।

शांति स्तम्भ पर अर्पित किए श्रद्धासुमन : संगठन के महासचिव राजयोगी ब्र.कु. करूणा, अतिरिक्त सचिव राजयोगी ब्र.कु. मृत्युंजय, वरिष्ठ राजयोगी ब्र.कु. आत्मप्रकाश, राजयोगी ब्र.कु. सूर्य, ग्लोबल अस्पताल निदेशक डॉ. प्रताप सिद्धा, चिकित्सा प्रभाग सचिव डॉ. बनारसी लाल साह, विज्ञान एवं तकनीकी विभागाध्यक्ष राजयोगी ब्र.कु. मोहन सिंघल सहित देश-विदेश से आए बड़ी संख्या में आगंतुकों ने ब्रह्मा बाबा के शांति स्तम्भ पर पुष्प अर्पित किए।

दिनभर चला साधना का सिलसिला अलसुबह दो बजे से ही आगंतुकों ने शांति स्तम्भ पर सामूहिक राजयोग अभ्यास किया। दिनभर बाबा की तपस्यास्थली कुटिया, शांति स्तम्भ, मेडिटेशन हॉल, ज्ञान सरोवर, ग्लोबल अस्पताल और आध्यात्मिक संग्रहालय सहित संस्थान के सभी प्रागंणों में राजयोग मेडिटेशन कार्यक्रम किए गए।

ब्रह्मा बाबा ने नारी को शक्तिस्वरूपा बनाया

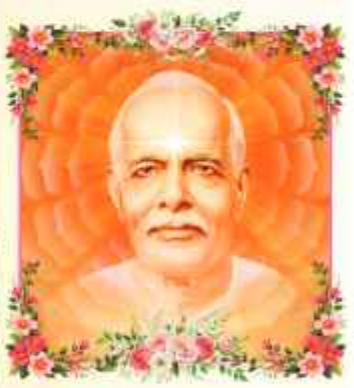

शान्तिवन-सज.। ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान के साकार संस्थापक प्रजापिता ब्रह्मा बाबा की 57वीं पुण्य तिथि विश्व शांति दिवस के रुप में मनाई गई। शान्तिवन के विशाल डायमंड हॉल में हज़ारों लोगों ने भाग लिया और ब्रह्मा बाबा को श्रद्धासुमन अर्पित किए। ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान की अतिरिक्त मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी ब्र.कु. मुन्नी दीदी ने कहा कि ब्रह्मा बाबा ने नारी को शक्ति स्वरूपा बनाकर महान कार्य किया। उन्होंने कहा कि बाबा के बताए मार्ग पर चलकर हज़ारों की संख्या में माताओं-बहनों ने अपने जीवन को नारी शक्ति के रूप में तैयार किया है। संस्थान की संयुक्त मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी ब्र.कु. संतोष दीदी ने कहा कि बाबा दुरांदेशी थे। संस्थान के महासचिव राजयोगी ब्र.कु. करुणा ने कहा कि बाबा के सम्पर्क में आने से ही खुद की अनुभूति होने लगी थी। उनके मार्गदर्शन और प्रेरणा ने हमें आध्यात्मिक मार्ग पर चलने की प्रेरणा दी।